प्रश्न संख्या	
1	(a)

वह वर्ण जो संयुक्त वर्ण बनाने में प्रयोग किए जाते हैं, अर्थात् आधा वर्ण। उदाहरण — [illegible], [illegible], [illegible] आदि।

प्रश्न संख्या	
1	b

प्रारूप का अर्थ → कच्चा मसौदा

किसी कार्यालय में पत्राचार के विभिन्न माध्यम जैसे पत्र, परिपत्र, आदेश आदि प्रयोग किए जाते हैं, इन्हें अंतिम रूप देने से पहले लिपिक द्वारा जो प्रथम ढाँचा तैयार किया जाता है वह प्रारूप कहलाता है।

प्रश्न संख्या	
1	c

संज्ञा के प्रकार – 5

- जातिवाचक
- भाववाचक
- प्रश्नवाचक
- पुरुषवाचक
- गुणवाचक

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

1 D

राजस्थानी, कन्नौजी, हरयाणवी

1 C

मुहावरा	लोकोक्ति
→ यह वाक्यांश है।	पूर्ण वाक्य है।
→ वर्षों का अनुभव, संस्कृति आदि का द्योतक।	पुरातन काल से जन लोक में व्याप्त।
→ अंत में 'ना'	अंत में 'ना' नहीं।
→ उदा → दांतों तले चने चबाना।	अब पछतात होत का जब चिड़िया चुग गई खेत।

1 F

→ गोविन्द वल्लभ पंत

→ 30 सदस्य

→ हिन्दी के प्रयोग एवं शासकीय प्रयोजनों में उपयोग बढ़ाने के संबंध में।

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या | हाशिए में न लिखे

1 9

बहुव्रीहि समास	कर्मधारय समास
उपमेय एवं उपमेय किसी अन्य की ओर संकेत करते हैं।	उपमेय और उपमान रहते हैं।
तीसरे व्यक्ति/वस्तु की विशेषता बताते हैं	प्रथम पद विशेषण, द्वितीय पद विशेष्य
उदा - दशानन - दश आनन वाला - रावण	उदा → मृगलोचन - मृग के समान लोचन

1 5

संविधान के भाग 17 शासकीय भाषा के अनुच्छेद 344 (क) एवं 344 (ख) मे राजभाषा समिति व आयोग का प्रावधान है।

1 (i)

जो विशेषण कि भी विशेषता बताते हैं उन्हें प्रविशेषण कहते हैं।

उदाहरण - राम बहुत तेज दौड़ता है।

प्रविशेषण

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखें

1 j

तत्सम – संस्कृत के समान या ज्यों का त्यों ;
जो शब्द हिन्दी भाषा में संस्कृत के ज्यों के त्यों प्रयोग किए जाते हैं उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं।
उदाहरण – दिवस, रात्रि आदि।

तद्भव – संस्कृत से लिए गए,
वह शब्द जो दूसरी भाषाओं – अंग्रेजी, संस्कृत, फारसी आदि से हिन्दी में परिवर्तित रूप में प्रयोग में लिए जाते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।
उदाहरण – पुष्प – फूल, हस्त – हाथ आदि

1 k

वह व्यंजन जो व्यंजनों के मिलने से बनते हैं, संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।

उदाहरण – क + ष ⇒ क्ष

क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

1 2

① जो लिखा जाता है वही बोला जाता है।

② एक वर्ण के लिए एक ध्वनि।

③ न्यून से न्यून ध्वनि को भी लिखा जा सकता है।

1 3

लाघव चिन्ह (^) → जब लिखते समय कोई शब्द, वाक्यांश छूट जाता है तो इसका प्रयोग किया जाता है।

उदा → राजा ^(प्रजा) का सेवक है।

योजक चिन्ह (–) ⇒ द्वन्द्व समास, किसी विषय को समझाने, आदि में प्रयुक्त।

उदा → माता – पिता ; निम्नलिखित —

उद्धरण (" ", ' ') → किसी की रचना, नाम, वाक्य आदि के लिए इकहरे उद्धरण चिन्ह तथा किसी के वक्तव्य के लिए दोहरे उद्धरण चिन्ह का प्रयोग किया जाता है।

उदा – 'कामायनी', 'राम', 'भारत' आदि

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग
1 ∩	
	किसी घटना, प्रयोजन, गंभीर विषय, कार्यक्रम आदि पर का अध्ययन, निरीक्षण, विवेचन कर तथ्यों का समायोजन तथा वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए, सुझाव सहित प्रस्तुत दस्तावेजों को प्रतिवेदन कहते हैं।
	यह एक सदस्य या बहुसदस्य ~~तथा~~ 'समिति द्वारा' मनोनित व चयनित; स्थायी व अस्थायी ~~द्वा~~ ~~सकती~~ प्रस्तुत की जा सकती है।
1 O	(ग) ध्वनि
	भाषा को वर्णों के माध्यम से लिखने की क्रिया लिपि कहलाती है। अर्थात भाषा का लिखित रूप लिपि है।
	उदाहरण – देवनागरी लिपि, फारसी लिपि आदि
	आर्य परिवार की भाषाएं → द्रविड़, भारोपीय

1 7

देश व राज्य के राजकाज में प्रयुक्त होने वाली भाषा राजभाषा कहलाती है। यह शासकीय भाषा होती है जो राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय दोनों हो सकती है।

भारत की राजभाषा हिन्दी है, जिसे 14 सितम्बर 1949 को अपनाया था।

1 5

संस्कृत (वैदिक काल) 1500 ई.पूर्व - 5 ई.पू. तक)
↓
पालि (5-2 ई.पू.)
↓
प्राकृत (2 ई.-7 ई.)
↓
अपभ्रंश (7-14 ई.
↓
अवहट्ट (14-16 ई.)
↓
हिन्दी (16 ई. से अब तक)

1 N

मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान

1 5

मानक भाषा शिक्षित वर्ग द्वारा बोले जाने वाली परिनिष्ठित, परिमार्जित, व्याकरण संबद्ध, शुद्ध भाषा है।

मानक भाषा शासकीय ~~स्थानों~~ कार्यों में भी प्रयोग की जाती है।

1 6

किसी विषय, वस्तु, घटना, कार्यक्रम आदि का वह रूप जिसमें उसकी महत्वपूर्ण, सारगर्भित, उद्देश्यात्मक ~~बातों को~~ ~~ध~~ बातें रहें और व्यर्थ का बातों को निकाल दिया जाए — संक्षेपण कहलाता है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

2

Boundries of castes changes due to political and economic factors. Even ~~of small~~ caste regarded as small will get status of high level after getting political power. and o with economic prosperity untouchable ~~can~~ will ~~be~~ get status of merchants, there are so many example we have. Moreover, influence of political and economic factors is more than religious movement. It seems that when caste in India get political dignity and economic freedom ~~they will go towards~~ than only their welfare is assured. They all are son of god is proved earlier, but they dont get any benefit from it.

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखें

3.

हम मानते है इस बात को कि आज हमारे देश में कई बुराईयां सम्चलित हैं। भ्रष्टाचार, रिश्वत तथा कुप्रथाएं / कुकर्म हर जगह पाए जाते हैं सिर्फ एक आम इंसान ही नहीं बल्कि सबसे उत्तरदायी प्रशासक भी इस गंभीर गंदी प्रक्रिया का हिस्सा है। यह जरूरी है कि इसे खत्म किया जाए। पर हम अपने विद्यार्थियों और युवाओं से यह गुजारिश करना चाहते हैं कि यह रचनात्मक क्रियाओं से संभव है, विध्वंसक क्रियाओं से नहीं। तथ्य यह है कि जहाँ तक संभव हो सके, विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई को से नहीं भटकाना चाहिए, राजनीति आदि के चक्कर में। ज्ञान और पढ़ाई आदमी की सबसे बड़ी पूंजी है। जिसे खोने पर हमें कुछ नहीं मिलता सिवाए धक्कों के; अगर फिर भी विद्यार्थी और युवाओं की देश को पुनर्निर्मित करने की इच्छा है तो, ~~हम तैयार है~~ उनका स्वागत बहुत खुशी और गर्व के साथ करने के लिए हम तैयार हैं।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

4

संक्षेपण

तुलसी - जीवन ज्ञान

रामचरित्रमानस के उत्तरकांड में गरुड़ ने काकभुशुंडि से सात प्रश्न पूछे हैं। वे प्रश्न मानवीय अस्तित्व के बुनियादी प्रश्न - उत्तर हैं। गरुड़ का एक प्रश्न है — 'बड़ - दुख कवन, कवन सुख भारी' अर्थात सबसे बड़ा कवि ही लिख सकता था। वे कहते हैं नहिं दरिद्र के समान कोई दुख नहीं और संत मिलन के समान सुख कम नहीं है। तुलसी ने सम्पन्नता से मुक्त जीवन को सुखी बताया है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

पल्लवन

"बड़ - दुख कवन, कवन सुख भारी"

उक्त वाक्य गरुड़ द्वारा पूछा गया काकभुशुण्डि से पूछे गये 7 प्रश्नों में से एक है। इसका अर्थ है कि सबसे बड़ा दुख एक कवि होने का है क्योंकि एक कवि संसार में व्याप्त हर पीड़ा को परख, व समझ सकता है किन्तु दूसरी ओर एक कवि होना सबसे सुखी भी है क्योंकि एक कवि की आत्मा प्रसन्न, तृप्त एवं दूरदर्शी होती है।

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या | हाशिए में न लिखे

4 II

दारिद्र्य के समान कोई दुख नहीं और संत मिलन के समान कोई सुख नहीं है।

उक्त वाक्य का अर्थ है कि एक दरिद्र जिसके पास कुछ नहीं है वह सबसे ज्यादा दुखी है क्योंकि उसके अंदर अनगिनत कामनाएँ, इच्छाएँ व लालसा छुपी हुई है। जो कि सभी दुखों का कारण होती है। एक दरिद्र व्यक्ति की कामना सदैव जीवन में आगे बढने की रहती है, जिस कारण वह कई प्रयास भी करता है, और न पाने पर दुखी होता है। किंतु एक संत का सम्पूर्ण मोह-माया का त्याग कर देता है उसे न जीवन से प्रेम रहता है न मृत्यु का भय, न भूख की चिंता न सोने की फ़िकर, अर्थात् एक संत जीवन वैभिवक, मोह मायाओं से स्वतंत्र होता है और इसलिए सुखी रहता है। इससे यह भी समझा जा सकता है कि जो व्यक्ति दूसरों के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है वह सुखी रहता है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

5

1. अभियोग → Impeachment

4. अध्यादेश – Ordinance

5. पदोन्नति – Promotion

8. अधिनियम – act

10. उपभोक्ता – consumel.

6.

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या | हाशिए में न लिखे

6.

कलेक्टर कार्यालय, इंदौर

क्रमांक - ___ /क.क.इं / 2020

इंदौर, दिनांक - ______

कार्यालय आदेश

~~विश्वव्यापी~~ कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए तथा नागरिकों के जीवन को सुचारु रूप से यापन हेतु यह आदेशित किया जाता है कि इंदौर जिला की समस्त सीमाओं के अंदर संपूर्ण दुकानें सुबह 8:00 बजे से 2: बजे तक ही खोली जावेंगी। इस आदेश से आपातकालीन सेवाओं (खाद्य, दवाई, जल, दूध इत्यादि) को छूट रहेगी।

जिले में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन तथा इस आदेश की अवहेलना पाए जाने पर कार्यवाही की जावेगी।

क, ख, ग
कलेक्टर
इंदौर

इंदौर, दिनांक _

पृष्ठा. क्र /क.क.इं /2020

प्रतिलिपि -

समस्त कार्यालय

पुलिस अध्यक्ष इंदौर।

कलेक्टर
इंदौर

Nema Books -9200333367

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

7

2. घी के दिए जलाना – बहुत खुश होना

कोरोना काल के बाद बाजार में आई उछाल देख निवेशकों के तो घी के दिए जल रहे हैं।

5. सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज –

अपनी गलती कर पुण्य का काम करना

चीन का भारत की सीमा पर बल प्रयोग करना और फिर व्यापार हेतु वार्ता तो ऐसा लगता है, जैसे सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज।

6. ईंट से ईंट बजाना – जैसे के साथ तैसा करना

पाकिस्तान द्वारा लगातार बढ़ते आतंकवाद, कश्मीर में युवा हिंसा आदि के चलते अनुच्छेद 370 हटाना, बिल्कुल ईंट से ईंट बजाने जैसा था।

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या		हाशिए में न लिखे

१०. अक्ल का चरने जाना — बुद्धि का काम न करना

बढ़तें कोरोना संक्रमण के बाद भी लोगों का मास्क न पहनना तथा सामाजिक दूरी का पालन न करना देखकर ऐसा लगता कि सबकी अक्ल चरने गयी है।

३. गूलर का फूल होना — बदल जाना

राजनेताओं का रवैया चुनाव के समय और चुनाव के बाद ऐसा बदल जाता है जैसे की गूलर का फूल हो।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

8

3. वस्त्र → कपड़े, चीर, अंबर

5. कमल – नीरज, जलज, पुष्प

10 नाविक → नौ + इक

2. ~~सप्तधान~~ → अठन्नी → आठ आनों का समूह

4. कृष्णार्पण → कृष्ण को अर्पण

9 1

मुद्रा का महत्व

2

मुद्रा का लाभ तभी उठाया जा सकता है जब उसके बदले अन्य वस्तुएँ या सेवाएं ली जा सकें।

3.

मुद्रास्फीति का अर्थ है - वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य में वृद्धि। अत्यधिक मुद्रा में बहुत कम चीजें आए तो मुद्रास्फीति बढ़ती है। जब निश्चित समयकाल में मूल्य बढ़ते हैं और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं।

4

मुद्रा ~~क्षति~~ ~~किन~~ निम्न तरीके से बढ़ती है —

1) जब सरकार केन्द्र बैंक से अपने खर्चों के लिए उधार ले।

2) जब निजी क्षेत्र ~~के~~ बैंकों से उधार ले।

3) जब निर्यात में वृद्धि हो

4) जब भारतीय विदेश (प्रवासीय) अपनी आय भेजते हैं।

5) जब निष्क्रिय राशि सक्रिय राशि में परिवर्तित हो जाती है।

9

जब मुद्रा की आपूर्ति बढ़ जाती है जिससे माँग की ~~अपेक्षा~~ बढ़ोत्तरी होती है।
किन्तु जब माँग उत्पादन से ज्यादा हो जाती है तो मुद्रास्फीति बढ़ जाती है।

प्रश्न संख्या	**मुख्य परीक्षा** **म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग**	हाशिए में न लिखे

10

भारतीय विद्या मंदिर

क्रमांक- / अई./ भ. वि म/ 2020 दिनांक ____

प्रति,

क, ख, ग

दयानंद विद्यालय

विषय - पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बाबत।

प्रिय,

विषयांतर्गत आपको ~~अ~~ अवगत कराना चाहूंगा की हमारे विद्यालय में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है, और इस वर्ष मुख्य अतिथि के पद हेतु मैं आपको ~~निमंत्रण~~ प्रस्ताव देना चाहूंगा।

आशा है कि आप हमारे विद्यालय में मुख्य अतिथि बनकर अवश्य पधारें।

क. ख. ग

आचार्य

भारतीय विद्या मंदिर